



आयुक्त (अपील) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा कर और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क:
O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE,

द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2nd Floor, GST Bhawan,
रेस कोर्स रिंग रोड, Race Course Ring Road,

राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com



सत्यमेव जयते

रजिस्टर्ड डाक ए. डी. द्वारा :-

Table with 3 columns: क्र (Sl. No.), अपील संख्या (Appeal No.), मूल आदेश सं. / OIO No. (Original No.), दिनांक / Date. Row 1: V2/226 /RAJ/2016, 4564 को 61568, 04/REBATE/2016, 12.07.2016

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

RAJ-EXCUS-000-APP-038 -2017-18

आदेश का दिनांक / Date of Order: 04.09.2017 जारी करने की तारीख / Date of issue: 06.09.2017

कुमार संतोष, आयुक्त (अपील), राजकोट द्वारा परित /
Passed by Shri Kumar Santosh, Commissioner (Appeals), Rajkot

ग अगर आयुक्त आयुक्त आयुक्त आयुक्त आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवाकर, राजकोट / जामनगर / गण्डीधाम, द्वारा उपरोक्त जरी मूल आदेश से उत्पन्न /
Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise / Service Tax, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham

घ अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name&Address of the Appellant & Respondent :-
M/s. Shree Ram Packaging Industries., 637/15/1-2, Khijadiya Road., Nr. Ram Krishna Oil Mill, Rajkot-Morbi Highway., Tankara-363 650Dist. Rajkot.

इस आदेश(अपील) से व्यथित कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके से उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील द्वारा कर सकता है/
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलार्थ न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अपीलार्थ 1944 की धारा 35B के अन्तर्गत एवं वित्त अधिनियम 1994 की धारा 86 के अन्तर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है /
Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) सर्वोच्च मूल्यांकन से सम्बन्धित सभी मामलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलार्थ न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, गैरट ब्लॉक नं 2, आर. के. पुरम, नई दिल्ली, को की जाती चाहिए /
The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बताने का अर्थों के अलावा शेष सभी अपीलें सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलार्थ न्यायाधिकरण (सेस्टाट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, 2, दक्षिण तल, बहमनी भवन असावा अहमदाबाद, 380015 को की जानी चाहिए /
To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2nd Floor, Bhaumik Bhawan, Asawa Ahmedabad-380015 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपीलार्थ न्यायाधिकरण के समक्ष अपील परतुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) विधिसूची, 2001, के नियम 6 के अन्तर्गत निर्धारित फॉर्म एए-3 को सात प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इसमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की सीमा आठ लख और अधिक है तो बताना: 1,000/- रुपये 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलार्थ न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सर्वोपयुक्त बैंक के बैंक द्वारा जारी रेगुलर बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलार्थ न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थान आदेश (एन एओ) के लिए आवंटन-पर के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा /
The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac. 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

(iv) अपीलार्थ न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अन्तर्गत सेवाकर विधिसूची, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.5 में दर्ज प्रतियों में की जा सकती है एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न की (जिसमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इसमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की सीमा आठ लख और अधिक है तो बताना: 5,000/- रुपये 10,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलार्थ न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सर्वोपयुक्त बैंक के बैंक द्वारा जारी रेगुलर बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलार्थ न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थान आदेश (एन एओ) के लिए आवंटन-पर के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा /
The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-

(i) विल अपीलियम, 1994 की धारा 86 की उप-धारा (2) एवं (2A) के अंतर्गत दंड की सभी अपील, सेवकर नियमावली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित फॉर्म ST-7 में की जा सकती एवं उसके साथ अनुबन्ध, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अध्याय अनुबन्ध (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क दफ्तर परिसर अर्द्ध की परिधि संलग्न की (जहाँ से एक प्रति प्रामाणिक होनी चाहिए) और अनुबन्ध द्वारा संशोधक अनुबन्ध अध्याय अनुबन्ध, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सेवकर, को अपीलियम न्यायाधिकरण को आर्वाइव करने के लिए निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub-section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST-7 as prescribed under Rule-9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner, Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.

(ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवकर अपीलियम प्राधिकरण (सेक्टर) के प्रति अपील के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अपीलियम 1994 की धारा 35एफ के अंतर्गत, जो की विलियम अपीलियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवकर को भी लागू की गई है, इसे आदेश के प्रति अपीलियम प्राधिकरण में अपील करने समय उत्पाद शुल्क/सेवका कर मूल्य के 10 प्रतिशत (10%), जब मूल्य एवं जुर्माना विवादित है, या जुर्माना, जब केवल जुर्माना विवादित है, का अनुमान किया जाए, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपीलियम देय राशि दस करोड़ रुपए से अधिक न हो।

- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवकर के अंतर्गत 'अस किए गए शुल्क' में निम्न शामिल हैं -
- (i) धारा 11 डी के अंतर्गत रकम
  - (ii) सेक्टर जमा की गई गलत राशि
  - (iii) सेक्टर जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम
- बशर्ते कि इस धारा के प्राधान्य विलियम (स. 2) अपीलियम 2014 के अंतर्गत से पूरे किसी अपीलियम प्राधिकरण के समस्त विवादधीन मामला जहाँ एवं अपील को लागू नहीं होगी।

For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores.

- Under Central Excise and Service Tax, 'Duty Demanded' shall include -
- (i) amount determined under Section 11 D.
  - (ii) amount of erroneous Cervat Credit taken.
  - (iii) amount payable under Rule ii of the Cervat Credit Rules
- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(C) **भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन**  
**Revision application to Government of India:**  
 इस आदेश की पुनरीक्षण कार्यवाही निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अपीलियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथम पंक्तिक के अंतर्गत अर्द्ध अधिनियम, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन इकाई, विल मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जेवन दीप भवन, अर्द्ध भवन, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। / A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid

(i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहाँ नुकसान किसी माल को किसी कारखाने से भंडार गृह के परिवहन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह परिवहन के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण में माल के प्रसंस्करण के दौरान, किसी कारखाने या किसी भंडार गृह में माल के नुकसान के मामले में। / In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse

(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे माल के विनिर्माण से प्रयुक्त कच्चे माल पर भी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छूट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। / In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

(iv) अनुमति प्राप्त उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो इच्छा करीब इस अपीलियम एवं इसके विभिन्न प्राधान्यों के तहत माल्य की गई है और ऐसे आदेश जो अनुबन्ध (अपील) के द्वारा विल अपीलियम (स. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा निर्यात की गईं तरीक अर्द्ध अधिनियम पर या बट में परिसर किए गये हैं। / Credits of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां फॉर्म संख्या EA-8 में की की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है, इस आदेश के संशोधन के 3 महीने के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अपीलियम, 1994 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के साथ-साथ के लिए पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। / The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-in-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए। / जहाँ मूल्य एक लाख रुपये या उससे कम है तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि मूल्य एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000/- का भुगतान किया जाए। / The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

(D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपरोक्त दंड में किया जाना चाहिए। इस लक्ष्य के होते हुए भी की किन्हीं पृष्ठों पर से बचने के लिए सहायक अपीलियम न्यायाधिकरण को एक अपील या केटीव आदेश को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various numbers of order, in Original, fee for each O.I.O should be paid in the aforesaid manner, notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filed to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.

(E) सहायक अपीलियम न्यायालय शुल्क अपीलियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O, as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.

(F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवकर अपीलियम न्यायाधिकरण (सर्वे विधि) नियमावली, 1982 में उल्लिखित एवं अन्य संबंधित मामलों को अपीलियम करने वाले विधियों की और भी ध्यान अवगत किया जाता है। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(G) उच्च अपीलियम प्राधिकरण को अपील दायित्व करने में संबंधित व्यापक, विस्तृत और नवीनतम प्राधान्यों के लिए, अपीलकर्ता विदेशीय वेबसाइट [www.cbec.gov.in](http://www.cbec.gov.in) को देख सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website [www.cbec.gov.in](http://www.cbec.gov.in)



**:: ORDER-IN-APPEAL ::**

The present appeal has been filed by M/s. Shree Ram Packaging Industries, 637/15/1-2, Khijadiya Road, Near Ram Krishna Oil Mill, Rajkot Morbi Highway, Tankara – 363 650 (hereinafter referred to as '**the appellant**') against the Order-In-Original No. 04/REBATE/2016 dated 12.07.2016 (hereinafter referred to as '**the impugned order**'), passed by the Assistant Commissioner, Central Excise Division, Morbi (hereinafter referred to as "**the lower adjudicating authority**"): 34

2. Briefly stated facts of the case are that the appellant registered with Central Excise, exported excisable goods and filed rebate claim of Rs. 2,05,642/- alongwith relevant documents on 18.04.2016, the details of which are as under:

Sr. No.	ARE - 1 No.	ARE - 1 Date	Amt. of rebate claimed (Rs.) (Incl. Edu. Cess & S. & H.S. Edu Cess)	Date of export	Last date of filing of claim
1	09/2014-15	12.08.2014	2,05,642/-	13.08.2014	12.08.2015

2.1 The scrutiny of relevant documents, with rebate claim, revealed that the subject goods covered under the above mentioned ARE-1 were finally exported on 13.08.2014 whereas rebate claim was filed on 18.04.2016, after the prescribed limit of one year under sub-section 1 of Section 11B of the Central Excise Act, 1944 (**hereinafter referred as the Act**).

2.2 Show Cause Notice F. No. V/18-128/Ref/2016 dated 06.05.2016 was issued proposing rejection of rebate claim. The said show cause notice was adjudicated by the lower adjudicating authority vide the impugned order, under which he rejected the rebate claim as time barred.

3. Being aggrieved by the impugned order, the appellant preferred the present appeal mainly on the following grounds:

- (i) The adjudicating authority has rejected the refund claim on the ground of limitation under Section 11B of the Act but it is not correct;
- (ii) The findings of the adjudicating to relax the limitation prescribed under the act are not correct and acceptable.
- (iii) They placed reliance on the Honorable Supreme Court of India in the case of Collector Land Acquisition, Anantnag and Anr. V/s. MST Satiji & Others, which held that the expression 'sufficient cause' employed by the legislature in Section 5 of the Indian Limitation Act, 1963 is adequately elastic to enable the courts to do substantial justice to

parties by disposing of matters on merits. Ref: 1987(28) ELT 185 (SC) Supreme Court condoned delay and the matter was remitted to the Higher Court with direction to disposed of the appeal on merits.

- (iv) The appellant further relied on an passed by the Commissioner (Appeal), Rajkot in the case of M/s. DCM Bearing P. Ltd. wherein they claim to have been held that :
- (a) Limitation prescribed under Section 11B cannot always be made applicable when the claim is filed under Notification No. 19/2004-CE;
- (b) The judgment dated 23.12.2011 of the Hon'ble High Court of Madras in the case of Dorcas Market Makers Pvt. Ltd., Chennai reported as 2012 (281) ELT 227 (Mad-HC).
- (v) The appellant further stated that there was no dispute about the export of the goods or duty payment thereof. All procedures have been followed as prescribed under the relevant notification. The adjudicating authority has not challenged any of the documents in the SCN, hence the rebate claim is admissible to the appellant.

4. A personal hearing in the matter was held wherein Shri Rushi Upadhyay, C.A. appeared for personal hearing on behalf of the appellant and submitted that their rebate claim should have been allowed in view of Hon'ble High Court of Madras in the case of Dorcas Market Makers Pvt. Ltd.; that earlier also Commissioner (Appeal), Rajkot in a similar case allowed their appeal; that this appeal may also be allowed.

**Findings :**

5. I have carefully gone through the facts of the case, the impugned order, the appeal memorandum and submission made during the personal hearing. I find that the issue to be decided in the present appeal is as to whether the rebate claim filed under Notification No. 19/2004-CE(NT) beyond one year from the date of export is proper or otherwise ?

6. It is true that the judgment dated 23.12.2011 of the Hon'ble Hogh Court of Madras in the case of Writ Petition No. 26236 of 2010 filed by M/s. Dorcas Market Makers Pvt. Limited, Chennai reported as 2012-TIOL-108-HC-MAD-EX of 2012 (281) ELT (Mad-HC) that time limit for filling rebate claim under Notification No. 19/2004 CE(NT) dated 06.09.2004 need not be always adhered to. However, the appellant can't make this case law to always file rebate claims beyond prescribed time limit of one year as they had done this time in 2016 as well as in 2011.



*Handwritten signature/initials*  
2/19

7. I agree with the lower adjudicating authority that provisions of Section 11B not only covers refund but rebate claims also as under Explanation(A) it is clarified in the Act itself that refund includes rebate of duty of excise. Section 11B is reproduced for ready reference as below :

**"Section 11B. Claim for refund of duty and interest, if any, paid on such duty -**

(1) Any person claiming refund of any duty of excise and interest, if any, paid on such duty may make an application for refund of such duty and interest, if any, paid on such duty to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise before the expiry of one year from the relevant date.....

(5) For the removal of doubts, it is hereby declared that any notification issued under clause (f) of the first proviso to sub-section (2), including any such notification approved or modified under sub-section (4), may be rescinded by the Central Government at any time by notification in the Official Gazette [Explanation. - For the purposes of this section, -

(A) "refund" includes rebate of duty of excise on excisable goods exported out of India or on excisable materials used in the manufacture of goods which are exported out of India;

(B) "relevant date" means, -

(a) in the case of goods exported out of India where a refund of excise duty paid is available in respect of the goods themselves or, as the case may be, the excisable materials used in the manufacture of such goods, -

(i) if the goods are exported by sea or air, the date on which the ship or the aircraft in which such goods are loaded, leaves India."

[ Emphasis supplied ]

8. In view of above, I find that the rejection of the Rebate claim on the ground of time-bar is legal and proper. The appeal is, therefore, rejected.

8.1. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

8.2. The appeal filed by the appellant stands disposed off in above terms.

*(Signature)*  
4/9/2016  
( कुमार संतोष )  
आयुक्त (अपील)

By Speed Posts

To,

M/s. Shree Ram Packaging Industries,  
637/15/1-2, Khijadiya Road, Near Ram Krishna Oil Mill,  
Rajkot Morbi Highway, Tankara – 363 650, Dist : Rajkot.

Copy to:

- 1) The Chief Commissioner, Central GST & CX, Ahmedabad.
- 2) The Commissioner, Central GST & CX, Rajkot.
- 3) The Assistant Commissioner, Central GST & CX Division-II, Rajkot.
- 4) The Asst. Commissioner, (Sys.), CGST & EX, Rajkot- for uploading into website.
- 5) Guard File.

